अनुसंधान दर्शिका द्वितीय भाग

खण्ड – क

एम.डी. आयुर्वेद शोध प्रबन्ध सारांश

अनुक्रमणिका

2 – द्रव्यगुण विज्ञान

क्र. सं.	शीर्षक का नाम		अध्येता का नाम	पृ.सं.
	1991			
1.	कतिपय द्रव्यों की कार्मुकता का अध्ययन श्वेत प्रदर के परिप्रेक्ष्य में	:	डा. बीना सोलंकी	1
2.	कतिपय द्रव्यों के तमक श्वासहर प्रभाव का अध्ययन	:	डा. सीताराम शर्मा	2
	1992			
3.	कतिपय श्वित्रघ्न द्रव्यों का गुणकर्मात्मक अध्ययन	:	डा. अजीत कुमार सिंह	3
4.	कतिपय वर्ण्य द्रव्यों का गुणकर्मात्मक अध्ययन	:	डा. राज नारायण शर्मा	4
5.	अश्वगन्धा एवं बला का कुपोषणजन्य विकारों पर गुणकर्मात्मक अध्ययन बालशोष के परिप्रेक्ष्य में	:	डा. संजय राधो बाजी तलमले	5

1994

6.	पाण्डुर असृग्दर (श्वेत प्रदर) पर उदुम्बर का गुणकर्मात्मक अध्ययन	:	डा. शन्नो गुप्ता	6
7.	चन्द्रशूर का गुणकर्मात्मक अध्ययन आमातिसार के परिप्रेक्ष्य में	:	डा. जयकुमार सिंह	7

1995

8.	कतिपय द्रव्यों का खालित्य रोग के परिप्रेक्ष्य में गुणकर्मात्मक अध्ययन	:	डा. कृष्ण कुमार शर्मा	8
9.	गुडूची का पाण्डु रोग के परिप्रेक्ष्य में गुणकर्मात्मक अध्ययन	:	डा. रामरतन मीणा	9

1997

10.	कतिपय केश रंजक द्रव्यों का पालित्य रोग के परिप्रेक्ष्य में गुणकर्मात्मक अध्ययन	:	डा. गिरधर गोपाल शर्मा	10

1998

11.	A Clinical study of Sharapunkha with special reference to Diabetes Mellitus	:	Dr. M. Indra Reddy	11
12.	Evaluation of certain indegenous drugs to study of their Adulterant	:	Dr. M.B. Guru Raja	12

1999

13. अपामार्ग तण्डुल का क्षुधाह्रास के सन्दर्भ में गुणकर्मात्मक अध्ययन : डा. गुजराज बैरवा 13

2000

14. शुक्रशोधन महाकषाय की औषधियों का गुणकर्मात्मक अध्ययन युवान पिडिका के सम्बन्ध में : डा. संजीव कुमार लाले 14

15. Pharmacological study of Kustha w.s.r. to the Uterine Smooth Muscle : Dr. Lungare Sanjay Narayanrao 15

2001

16. मामज्जक एवं महानिम्ब का द्रव्यगुणात्मक अध्ययन मधुमेह रोग के परिप्रेक्ष्य में : डा. सुनीता डी. राम 16

17. बिल्वपर्णी का गुणकर्मात्मक अध्ययन अर्श के परिप्रेक्ष्य में : डा. चन्दन सिंह 17

18. शिलाजतु, कुटकी एवं खदिर का स्थौल्य के परिप्रेक्ष्य में गुणकर्मात्मक अध्ययन : डा. भावना 18

2002

19. Pharmacological evaluation of Dugdhika (Euphorbia hirta) w.s.r. to COPD : Dr. Vemula Sridhar 19

20.	Pharmacological evaluation of naturally growing and cultivated Shveta Musali (Chlorophytum borivilianum Sant. and F.) used in I.S.M.	:	Dr. Sudipta Kumar Rath	20
21.	Pharmacognostic study of Parpata (Fumaria vaillantii) and Vrikshamla (Garcinia indica) collected from natural habitat and different market	:	Dr. Archana P.M.	21

2003

22.	Pharmacological study of cream based & curd based Go-Ghrita w.s.r. to Lipid profile	:	Dr. Sharada Tak	22
23.	Botanical discrimination of Kudhanya varga w.s.r. to Madhulika (Elevsine coracana) and its effect on Haemoglobin	:	Dr. Swati Borker	23
24.	Pharmacognostic evaluation of certain medicinal plant roots (Moolas)	:	Dr. Kishor V. Dalvi	24

2004

25.	सर्ज एवं शण का गुणकर्मात्मक अध्ययन मेदोहर प्रभाव के परिप्रेक्ष्य में	:	डा. ओम प्रकाश शर्मा	25

26.	कतिपय चक्षुष्य द्रव्यों का गुणकर्मात्मक अध्ययन	:	डा. विनोद कुमार शर्मा	26
27.	Pharmacognostic and Pharmacological evaluation of Veerataru (Dichrostachys cineria) w.s.r. to UTI	:	Dr. A. Kavitha	27
28.	छिलहिण्ट का गुणकर्मात्मक अध्ययन वृष्य प्रभाव के संदर्भ में	:	डा. विजेन्द्र कुमार गुप्ता	28

2005

29.	तोदरी सुर्ख एवं तोदरी सफेद का तुलनात्मक अध्ययन वृष्य कर्म के परिप्रेक्ष्य में	:	डा. सतीश कुमार जैमिनी	29
30.	चित्रक मूल एवं आवर्तकी का तुलनात्मक एवं गुणकर्मात्मक अध्ययन प्रवाहिका रोग के परिप्रेक्ष्य में	:	डा. दारासिंह रोतवार	30
31.	आवर्तनी का गुणकर्मात्मक अध्ययन प्रवाहिका रोग के परिप्रेक्ष्य में	:	डा. गिर्राज उपाध्याय	31
32.	Pharmacological and Pharmacognostic evaluation of Gauryadi Yoga w.s.r. to Post Menopausal Syndrome	:	Dr. Usha Koli	32
33.	To evaluate the effect of Krishna Musali and Sweta Musali in Guru guna and Balya karma	:	Dr. Debashish Panda	33